Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

फेज दो के लोकल ट्रांसमिशन की तरफ भी बढ़े हम

उत्तराखंड 19 दिन तक फेज एक और चार दिन में फेज दो में दस्तक

चुनौती

संवाददाता

देहरादून। देश में कोरोना वायरस के संक्रमण का पहला मामला 30 जनवरी को सामने आया था। संक्रमण के दून पहुंचने में 45 दिन का समय लगा और 15 मार्च को एक प्रशिक्षु आइएफएस अधिकारी के जरिये हमारा कोरोना से सामना हुआ। इस तरह कोरोना के फेज एक में पहुंच चुके दून में 29 मार्च तक कोरोना संक्रमण के कुल छह मामले थे। इसके बाद चार दिन तक कोरोना का कोई मामला सामने नहीं आया। इस बीच संक्रमित व्यक्ति स्वस्थ होने लगे तो उम्मीद जागी कि हम जल्द कोरोना वायरस को हरा देंगे। लेकिन, जमातियों की हरकत ने दूनवासियों की उम्मीद और सरकार की तैयारियों पर पलीता लगा दिया। अगले चार दिन में यानी छह अप्रैल तक न सिर्फ कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या छह से बढ़कर 18 हो गई, बल्कि हम फेज दो के लोकल ट्रांसमिशन की तरफ भी बढ़ गए।

प्रदेश में मिले 32 कोरोना संक्रमितों में 20 जमाती

उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण के अब तक 31 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें 20 जमाती हैं और चार इनके संपर्क में आए लोग। शेष छह मामले (तीन ठीक हो चुके) दून के हैं और एक (यह भी ठीक हो चुके) पौड़ी का है। 20 जमातियों में आठ दून, छह नैनीताल, चार ऊधमसिंहनगर, एक अल्मोड़ा और एक हरिद्वार से है।

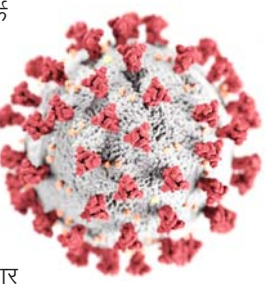

क्षेत्र विशेष को लॉकडाउन करना उपयुक्तड

सोशल डेवलपमेंट फॉर कम्युनिटीज फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष अनूप नौटियाल का कहना है कि तीन अप्रैल के बाद कोरोना संक्रमण ने जो उछाल मारा है, उसे समुदाय में फैलने से रोकने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प क्षेत्र विशेष को पृथक रूप से लॉकडाउन करना ही है। प्रशासन ने भी इसी तर्ज पर त्वरित कार्रवाई की है। दून शहर में अब तक तीन बस्तियों और डोईवाला में दो बस्तियों को लॉकडाउन किया जा चुका है। इसके बाद इन क्षेत्रों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के अनुरूप टेस्ट, ट्रेस, आइसोलेट व क्वारंटाइन (टीटीआइक्यू) के काम को गति देने की जरूरत होती है। अच्छी बात है कि दून में इसी तरह का काम चल भी रहा है।

सोमवार को भगत सिंह कॉलोनी में कोरोना पॉजिटिव के जो चार मामले पाए गए। उनमें वह लोग शामिल हैं, जो तब्लीगी जमात के लोगों के संपर्क में आए थे। यदि तब्लीगी जमात के लोगों की हरकत हमारी तैयारियों को पलीता नहीं लगाती तो अगले कुछ दिनों के भीतर ही हम कोरोना संक्रमण को फेज एक से ही विदा कर देते।

15 मार्च से 29 मार्च तक दून में कोरोना संक्रमण के कुल छह मामले दर्ज किए गए थे। इसमें तीन प्रशिक्षु आइएफएस अधिकारी, एक अमेरिकी नागरिक, दुबई से लौटा सेलाकुई का युवक और राजस्थान से लौटे सेना के एक सूबेदार शामिल रहे।

अच्छी बात यह भी है कि तीनों प्रशिक्षु अधिकारी व सेना के सूबेदार स्वस्थ होकर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिए गए हैं। बाकी का स्वास्थ्य भी सुधर रहा है। प्रशासन, पुलिस व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सुकून में थे कि सीमाएं सील हो जाने के बाद कोरोना का संक्रमण 14 अप्रैल तक की लॉकडाउन अवधि में दम तोड़ देगा। मगर, इसके बाद जिन 12 लोगों में कोरोना संक्रमण पाया गया, उनमें आठ जमाती हैं और बाकी के चार को इन्होंने ही संक्रमण का दंश दिया। लिहाजा, चुनौतियों और ज्यादा बढ़ गई हैं और मशीनरी की मशक्कत भी।

न्यूज डायरी

नेता प्रतिपक्ष ने कहा, पार्षद व जनप्रतिनिधियों के माध्यम से बांटा जाए राशन

संवाददाता हल्द्वानी। नेता प्रतिपक्ष ने बुधवार को दमुवाढूंगा इलाके में राशन वितरण सेंटर का निरीक्षण करने के साथ नाराजगी भी जताई। कहा कि घंटों लाइन में लगने के बावजूद लोगों को सामान नहीं मिल पा रहा। लिहाजा, पार्षदों व जनप्रतिनिधियों के माध्यम से घर–घर डिलीवरी का सिस्टम अपनाना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष डॉ. इंदिरा हृदयेश ने कहा कि दमवाढूंगा स्थित जेडीएम पब्लिक स्कूल में सुबह आठ बजे से राशन मिलना था। एक घंटा पहले ही लोग पहुँच गए थे। लेकिन 12 बजने पर भी व्यवस्थित तरीके से सामग्री नहीं वितरित हो पाई थी। वहीं, क्वीन्स पब्लिक स्कूल में 800 लोगों को राशन मुहैया होना था। हालांकि, साढ़े 12 बजे तक भी सामान नहीं पहुँच सका। जिसके बाद पटवारी ने लॉकडाउन नियम का हवाला देते हुए राशन वितरण से मना कर दिया। जिस वजह से सुबह से मदद के इंतजार में खड़े करीब 700–800 लोग मायूस होकर लौट गए। इंदिरा ने आरोप लगाया कि सरकारी राशन वितरण प्रणाली पूरी तरह से फेल हो चुकी। इससे लोगों के बीच आक्रोश बढेगा। क्योंकि अभी स्पष्ट नहीं है कि लॉकडाउन कब तक रहेगा।

जीबी पंत विवि में लॉकडाउन में भी जारी रहेंगे शोध कार्य, ऑनलाइन होगा मूल्यांकन

संवाददाता रुद्रपुर। पंडित गोबिंद बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि लॉकडाउन में भी शोध कार्य होंगे। उन्होंने शिक्षकों को शोध कार्यों को सुचारु रूप से बनाए रखने के लिए सक्रिय रहने को कहा। शोध कार्यों के मूल्यांकन व अन्य अध्ययन के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म यूज किया जाएगा। विवि के कुलपति डॉक्टर तेज प्रताप ने ऑनलाइन शोध कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस से देश में संकट पैदा हो गया है। विवि बन्द होने से शोध कार्य भी प्रभावित हुए । बीज उत्पादन का कार्य जो देश की जरूरत के हिसाब से विवि में बड़े स्तर पर किया जाता है, वह भी प्रभावित हुआ है। उन्होंने शोध कार्यों को इन कठिन परिस्थितियों में भी सुचारु रूप से चलाए रखने पर बल दिया। कहा कि ऐसी विषम परिस्थिति में शोध एवं बीज उत्पादन के कार्य देश के भविष्य और खाद्यान्न की आत्मनिर्भरता से जुड़े हैं। इसलिए इनकी पूरी सावधानी और पूरे मनोयोग से संचालन अनिवार्य है। उन्होंने निदेशक अनुसंधान डॉ अजीत नैन से शोध गतिविधियों में आ रही समस्याओं की जानकारी ली और हर समस्या के समाधान का मार्ग बताया। लाखों किसानों के लिए पैदा होने वाले इन बीजों का एक–एक दाना बचाने के लिए हमें प्रतिबद्ध रहना है।

शाक्य बौद्ध समुदाय ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 23 लाख राशि दी

संवाददाता देहरादून। प्रदेश में कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में सहयोग के लिए शाक्य बौद्ध समुदाय द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष में कुल 23 लाख रूपये की राशि दी गई है। शाक्य बौद्ध समुदाय की ओर से आध्यात्मिक नेता एचएच शाक्यृत्जीन, एचएच रत्ना वज्र शाक्य और एचएच ज्ञान वज्र शाक्य ने मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत को उक्त राशि के चौक भेंट किए। कुल 23 लाख रूपये की राशि में से एचएच शाक्यृत्जीन, एचएच रत्ना वज्र शाक्य और एचएच ज्ञान वज्र शाक्य द्वारा 3 लाख रूपये, डोलमा फोड्रांग द्वारा 3 लाख रूपये, न्गोर पाल एवाम चोडान द्वारा 3 लाख रूपये, शाक्य कालेज द्वारा 3 लाख रूपये, द ग्रेट शाक्य मोनलाम फाउंडेशन द्वारा 5 लाख रूपये, शाक्य ननरी द्वारा 3 लाख रूपये और शाक्य सेंटर द्वारा 3 लाख रूपये का अंशदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कोरोना के खिलाफ लडाई पूरी मानवता की लड़ाई है। सभी के सहयोग और सम्मिलित प्रयासों से इस महामारी से मानवता की जीत होगी।

पीएम के पांच आग्रहों पर तत्परता से काम करें कार्यकर्ताः भगत

संवाददाता

■मंत्री सतपाल महाराज ने जानी समस्याएं

देहरादून। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर भगत ने पार्टीजनों को कोरोना महामारी से निबटने के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किए गए पांच आग्रहों पर तत्परता से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आग्रहों के पीछे अंत्योदय की भावना छिपी है, ताकि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को इस संकट के समय किसी प्रकार की दिक्कत से न जूझना पड़े।

प्रधानमंत्री ने गरीबों को राशन के लिए सेवा अभियान चलाने, बीमारी से बचने के लिए खुद फेस कवर रखने और पांच से सात लोगों को मास्क बनवाकर वितरित करने को कहा है। साथ ही अपने–अपने क्षेत्रों में स्वास्थ्य, सुरक्षा, स्वच्छता व अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों व अधिकारियों को धन्यवाद देने तथा अन्य लोगों को भी ऐसा करने को प्रेरित करने की बात भी प्रधानमंत्री ने कही।

उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा तैयार आरोग्य सेतु ऐप की जानकारी लोगों तक पहुंचाने, प्रधानमंत्री केयर्स फंड में खुद भी सहयोग करने के साथ ही अन्य को भी प्रेरित करने का भी आग्रह किया है। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अजेंद्र अजय के अनुसार प्रधानमंत्री के इन आग्रहों के क्रम में प्रदेश अध्यक्ष भगत ने कार्यकर्ताओं से तत्परता से जुटने को कहा है। उधर, पार्टी के प्रदेश महामंत्री कुलदीप कुमार ने पार्टी के सभी जिलाध्यक्षों को प्रधानमंत्री के आग्रहों का अनुशासन और शारीरिक दूरी के नियम को ध्यान में रखकर पालन करने के निर्देश दिए हैं।

हरिद्वार के प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने विधायकों से वार्ता कर क्षेत्र की समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने जिलाधिकारी हरिद्वार को इन समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान विधायकों ने प्रभारी मंत्री से जिले के प्रत्येक गांव में सेनिटाइजेशन कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि राशन वितरण में सरकारी कर्मचारियों के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं को भी शामिल किया जाए।

महामारी के दौरान भी बिजली के बिल भुगतान की अपील

संवाददाता देहरादून। एक ओर जहां पूरा देश व प्रदेश कोरोना वायरस के बचाव के चलते हुए लॉकडाउन है और लगभग सभी राज्यों में बिजली–पानी के बिल इस दौर में स्थगित हो गए हैं, लेकिन ऊर्जा प्रदेश कहलाने वाला उत्तराखंड में कुछ और ही चल रहा है। एक अपील में कहा गया है कि समय पर बिजली के बिलों का भुगतान किया जाना चाहिए। यह अपील किसी के गले नहीं उतर रही है। मिली जानकारी के अनुसार ऊर्जा विभाग ने जनता से बिजली का बिल जमा करने की अपील जारी की है। इस अवसर पर अपील मे लिखा है कि कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न स्थिति के दृष्टिगत विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की जाती है कि वे संकट की इस घड़ी में निरंतर विद्युत आपूर्ति के लिए आवश्यक धनराशि की उपलब्धता सुनिश्चित रहे, इसके लिए विद्युत बिलों का भुगतान कर दें। इस अवसर पर यूपीसीएल ने इसके लिए बाकायदा दर्जनभर भुगतान के तरीके भी सुझाए हैं, जिसमें वेबसाइट पर जाकर डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई, आरटीजीएस, एनईएफटी तथा भारत क्यूआर आदि माध्यम सुझाए हैं।